

4)

जनकाजी राधोजी कै.

कुमार - कसबे परकी।

ટોસ



(२) उनकी रायें कि.

~~कुमार- कर्म परंपरा~~

यह लिखा गया है कि कुमारी व तजिया दोनों ने एक साथ लिखा है।



3)

जनावर राष्ट्रीय परिषद्

कुंगड लसवे परिषद

मुंगड की बालोंमात्रा

किंवा - मृत वर्षीय शिवाय गुण



ଶିଖାତ୍ମକାରୀ

(4)

29

—
—

दात्र्यमन्त्र

— न विमुख्य न विमुक्तिदीप्तमहेष्ठा

— କେବଳଏହିପରିମାଣମାତ୍ରେ ଯାଏ

— କମ୍ପାରିକୋତ୍ତମାନିକେମାନି

— अपैतितिहासिक विद्या विद्याय विद्या

(GA)

संस्कृतवाचमन्त्रिगोद्धीर्जितमारुद्दलप
and Tal, Dhule and

रहित्येष्वश्च अपेक्षा न लोकादी
shodhan Yeshwa

~~निरुद्ध विद्युति गम्भीरा विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति~~

~~दीर्घावधि अनुभव देवता विजय~~

— श्रीमद्वितेष्वरपदालिप्तेष्वज्ञेष्व—

ॐ भूया उपज्ञाय हि अभितप्तवा रोम्

(48) द्वारा परभाते यह फूल को ही टोप्पु भेज

~~ପ୍ରଦେଶରେ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ମହାନ୍ତିରଙ୍କ~~

~~3193AB 81950041339~~

प्राप्त अनुभव की दृष्टियोग से

अस्त्रपश्चापाद्यम् (विष्णु) विष्णम्

—ଦାକ୍ଷିଣୟପୁରୁଷମହାମିଶ୍ରନତ୍ରମେ

~~ନାହିଁମେହାମହିମ କିମ୍ବାତ୍ୟନାହିଁମେ~~

~~ଶ୍ରୀଷ୍ଟଦେବଗୁଣାମୋହନପତ୍ରପାତ୍ରରାଜପତିକା~~

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ

କେବଳ ଉତ୍ସାହରେ ମଧ୍ୟରେ

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣପଦମିତାନ୍ତରୀକ୍ଷଣ

~~କରୁଣାପଦ୍ମନାଭ~~

—ગાંધીજિતાયોજનાદ્વારા જાના

ମୁହଁରାଧ୍ୟାଦେଖିଲୁଛି ଏକାକିନ୍ତାଙ୍କିରଣ

Mandal, Dhule and the

१०८ राजा विष्णुवर्मा द्वारा लिखित अन्तिम चौथा पृष्ठ

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣମାତ୍ରଙ୍କିନୀ

କରୁଥୀଷ୍ଟିଯେଣାମ୍ବୁଧପାଦଶବ୍ଦିହାତେ

କବିତାମୟନାର୍ଥାପରିଚୟ

~~କୁମାରପାତ୍ର ପାତ୍ରି ୧୯୫୫ ମେସାହି ଦିନାଂକ~~

~~१९८५ वर्षात् ब्रह्मगुप्ती~~

~~1988~~ 1989
1989

Fluorite - *Fluorite* - *Fluorite*

~~द्वितीय शब्द~~

၁၇၈၀ခုနှစ်တွင်မြန်မာနိုင်ငံ၏

~~स्वयं ददृशु तदेव निरुप्तम् ।~~

ଓম-ଶ୍ରୀ-କାନ୍ତି-ମହା-ପଦମ

(41)

(41) चुम्भेश्वरीमातृकामातृकामातृकामातृका

~~ତ୍ରୈଷିଂହାଜୀଦେବିକାମନ୍ଦିରମାଟ୍ଟିଲାଙ୍ଗନମାଟ୍ଟି~~

— राजिकारप्राप्तेषु किंतु लक्ष्यम्

କୁଣ୍ଡଳ ମହିଳାଙ୍ଗର କଲିଙ୍ଗ ଦେଶର

କାନ୍ତିମାଳାରୀପାଠୀମାରି

— མྱོ་ཆୁ རྒྱྲ གླྷ དྲ གླྷ དྲ གླྷ དྲ གླྷ དྲ གླྷ དྲ གླྷ དྲ

~~पुण्ड्रकालेश्वरीनवान्दिष्टितद्वयोः~~

५५) द्विरामित्रम् त्रिविषयम् विकल्पम्

~~ନିର୍ମାଣକାରୀ-ତଥାଦିଗୁଡ଼ିକରାମପଥ~~

पुरोग्रहमध्यंतिलयीराध्यमद्वैत
Sachin Yashodhan

~~दक्षिणाधरेष्वित्यस्मिन्देशं अप्यज्ञानं~~

कर्तव्याद्वयोदयतिष्ठते राजा

କ୍ଷେତ୍ରରେ ପାଇଁ ଆଶୀର୍ବଦୀ କରିବାକାରୀ

३५३ गोविन्दी गोविन्दी गोविन्दी गोविन्दी

ପାତ୍ରମାନଙ୍କୁ ଦେଖିଲୁଛାମୁଁ

पाठ्य-समितिवर्ष छठमाघाशनी।

~~ପ୍ରାଚୀନ ମହାଦେଶୀର୍ଷାରେ କିମ୍ବା~~

~~सुन्दरामृतोदयाकारी~~

प्रसादोत्तमिष्य देहेन्मध्यिकारी

וְיַעֲשֵׂה יְהוָה כָּל־אֲשֶׁר־יֹאמְרָה לְךָ

~~ମନୁଷ୍ୟର ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପାଇଁ ଯତ୍ନରେ ଏହାକିମ୍ବାଦୁ~~

~~କୁର୍ମାଜ୍ଞାପାଠିତ୍ୟବ୍ୟାଖ୍ୟାନାତିଷ୍ଠାନି~~ ୧

— କଣ୍ଠମର୍ଦ୍ଦିତାପରିପାତାରେ ନିର୍ମାଣ ହେଲା

तमाणुद्यतहृष्टमनुद्दिष्ट

ଦ୍ୱାରା ଉପରେ ଦେଖିଲୁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ଓেହିକୁ ନମ୍ବୁ କରିଲେ କୋଣି ପାଇବା

4M) उम्मेरकल्पिता वीडियो प्रैग्राफ्ट

କୁଳାଲରେ ପାଦମଣିରେ ଦୂରରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

पाठ्यपुस्तकालयामंडलानीनेहम

ચિહ્નાં રૂપાં રૂપાં રૂપાં રૂપાં રૂપાં રૂપાં રૂપાં રૂપાં રૂપાં

અનુભવાત્મક વિજ્ઞાન

ପାଇବେ କାହିଁ କାହିଁ ଲୋକରେ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ

प्रदिव्यादेष्ट्रो देवता महामुखः

କୁରାନାମି) ପାଠିଲେ) ମଧ୍ୟଭାଷାକାଳୀନ

~~२५- बातें प्रतीक्षा करने की विधि~~

ସମ୍ବନ୍ଧରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

~~ନାଥେପାଣିଧର୍ମଜୀବନାର୍ଥାତ୍ମକ~~

३५४ येषां कृतिगुप्ति उमा रमणीय

२५ द्वारा प्रकाशित किया गया है।

(58)

तदाग्निरेत्यामरतद्योगमिवभूय
 तरेष्वप्युष्ट्यविष्पुरिभरेष्वप्युष्पुरिभि
 पुष्पिरेवलारामेतिष्ठतोष्टाल
 शुभ्रमन्त्रेत्पविद्वागोहिमातोष्य
 इरामाक्षिरेवामंडितमेष्वाम
 भेदमास्त्वभृष्टुनिरामास्त्वग्नुम
 अपात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 नामात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 अमात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 नामात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 अमात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 नामात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 अमात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 नामात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म
 अमात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्मेष्वात्म

(50) ~~श्रीरामादेवनिष्ठरमेश्वरोद्धरण~~
~~उपरिकृतमिष्टद्युष्टित्वमिष्टित्वम्~~
~~कृष्णिष्टिमध्यमेष्टिष्टित्वम्~~
~~रामव्यवहारकृष्णमेतत्त्वम्~~
~~चृत्वान्नायित्वमेष्टिष्टित्वम्~~
~~रामरित्वर्षुष्टिमध्यमेष्टिष्टित्वम्~~
~~उत्तमाद्युष्टिमध्यमेष्टिष्टित्वम्~~
~~स्थृत्वकृष्णमेष्टिष्टित्वम्~~
~~कृष्णमेष्टिष्टित्वमेष्टिष्टित्वम्~~
~~कृष्णरेष्टिष्टित्वमेष्टिष्टित्वम्~~
~~रामरूपति जिष्टेष्टित्वमेष्टिष्टित्वम्~~
~~कृष्णरूपति जिष्टेष्टित्वमेष्टिष्टित्वम्~~
~~कृष्णरूपति जिष्टेष्टित्वमेष्टिष्टित्वम्~~

(SF)

~~कार्त्तुष्टिः दूर्वा ग्रन्थे वाचस्पदम्~~

~~तिष्ठते अविशीर्ण क्षेत्रं योगिः १७५~~

~~स्त्रेषु विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~स्त्राद्य दत्तो गीतं वाचस्पदम्~~

~~तिष्ठते अविशीर्ण क्षेत्रं योगिः १७६~~

~~कृष्णाम् विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~प्रतिष्ठित विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

(SG)

~~वाचस्पदम् विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~तिष्ठते अविशीर्ण क्षेत्रं योगिः १७७~~

~~उमात् विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~स्त्रियो विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~तिष्ठते अविशीर्ण क्षेत्रं योगिः १७८~~

~~विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~तिष्ठते अविशीर्ण क्षेत्रं योगिः १७९~~

~~विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~तिष्ठते अविशीर्ण क्षेत्रं योगिः १८०~~

~~विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

~~तिष्ठते अविशीर्ण क्षेत्रं योगिः १८१~~

~~विष्ट्रिताम् वाचस्पदम्~~

प्राप्ति विवरण		प्राप्ति विवरण
प्राप्ति विवरण		प्राप्ति विवरण
• ११३ - अविष्ट	-	• १ - उल्लेख
• १८ - तरिका	-	• ११२ - अविष्ट
• - हजारी	-	• ११२
• ११२		

(SL)



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com